1 कर्मवीर

(कविता)

Vocabulary समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE

शब्द-ज्ञान

1. तुकांत शब्दों का मिलान कीजिए–

घबराते	दिखलाते
उकताते	पछताते
भले	ठना
चना	सकते
थकते	तभी
कभी	फले

2. समान अर्थ वाले शब्द छाँटकर लिखिए–

रुकावट – .....

ऐश्वर्य – .....

काल – .....

अनेक – .....

जनम – .....

विभव
समय बहु जन्म
विघ्न

Grammar व्याकरण समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE

1. शब्दों के बहुवचन रूप में ✓ का निशान लगाइए–

बाधा	–	बाधाएँ	❀	बाधों	❀
जाति	–	जातिया	❀	जातियाँ	❀
व्यक्ति	–	व्यक्तियों	❀	व्यक्तियाँ	❀
भरोसा	–	भरोसो	❀	भरोसे	❀

2. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए–

असफलता – .....

हार – .....

डर – .....

विश्वास – .....

खाली – .....

स्वीकार – .....

3. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) लोहे के चने चबाना – .....

(ख) चैन की नींद सोना – .....

(ग) गाँठ खोलना – .....

Writing Tasks समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE
लेखन-कार्य

1. दिए गए वाक्यों के सामने ✓ या ✗ का निशान लगाइए–

(क) कर्मवीर व्यक्ति अपनी सारी परेशानियों को अपने बुद्धिबल से दूर कर लेते हैं।

(ख) देश का उत्थान तभी संभव है जब देश में कर्मवीर जन्म नहीं लेंगे।

(ग) इस कविता में कर्मवीर व्यक्तियों के बारे में बताया गया है।

2. 'कर्मवीर' कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

सब तरह से आज .....

..... जहाँ डेरे डाले।

वे बनाने से उन्हीं .....

..... ऐसे सपूतों के पले।।

लोग जब ऐसे समय .....

..... होगी भलाई भी तभी।।

3. अति लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) इस कविता में कैसे व्यक्तियों की बात की गई है?

.....

(ख) किसी भी काम को किसके भरोसे नहीं छोड़ना चाहिए?

.....

4. लघु प्रश्न का उत्तर लिखिए–

(क) देश को किस पर गर्व है? और क्यों?

.....

.....

5. निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर लिखिए–

(क) कर्मवीर कविता का मूलभाव लिखिए?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

6. दिए गए पंक्तियों का सप्रसंग भावार्थ लिखिए–

चिलचिलाती धूप को जो चाँदनी देते बना।
काम पड़ने पर करें जो शेर का भी सामना।।
जो कि हँस-हँस के चबा लेते हैं लोहे का चना।
'है कठिन कुछ भी नहीं' जिन के है जी में यह ठना।।
कोस कितने ही चलें पर वे कभी थकते नहीं।
कौन-सी है गाँठ जिसको खोल वे सकते नहीं।।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

Writing Tasks फॉरमेटिव असेसमेंट (Formative Assessment) based on CCE
लेखन-कार्य

1. इस कविता को पढ़कर आपके मन में क्या विचार आते हैं? लिखिए–

.....

.....

.....

.....

.....

.....

2. 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए–

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

Comprehension Passages

लेखांश-बोध फॉरमेटिव असेसमेंट (Formative Assessment) based on CCE

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

एक बार रघु ने कुएँ में झाँका तो चाँद की परछाईं देखी। "हे भगवान! चाँद तो कुएँ में गिर पड़ा", उसने बड़े दुख से कहा और भागकर एक रस्सी ले आया, जिसके सिरे पर एक बड़ा-सा हुक बँधा हुआ था। जल्दी से उसने रस्सी कुएँ में डाली। दूसरे सिरे को वह कसकर पकड़े रहा। रस्सी कुएँ के तह तक पहुँच गई और उसमें बँधा हुआ हुक एक पत्थर से टकराया। पत्थर उसमें फँस गया। यह सोचकर कि हुक में चाँद फँस गया है, रघु ने पूरा ज़ोर लगाकर रस्सी को ऊपर खींचना शुरू किया। इससे रस्सी बीच में ही टूट गई और वह इतनी ज़ोर से गिरा कि बेहोश हो गया। होश आने पर सबसे पहले उसने देखा कि चाँद आसमान में चमक रहा है। उसने दर्द से कराहते हुए कहा, "मेरी पीठ तो टूट गई, लेकिन कोई बात नहीं। शुक्र है, भगवान का कि चाँद तो बच गया।"

1. इन शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

आसमान – ..... चाँद – .....

2. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

भगवान – ..... ज़ल्दी – ..... दर्द – .....

3. प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) रघु ने कुएँ में क्या देखा?

.....

(ख) रस्सी में बँधा हुक किससे टकराया?

.....

(ग) रघु ने रस्सी क्या समझकर ऊपर खींचा?

.....

(घ) चाँद को आसमान में देखकर रघु ने क्या सोचा?

.....